क्रासिंग पर प्रसूता की महिला सिपाही ने कराई डिलीवरी

शाहजहांपुर | **संवाददाता**

हड़ताल के चलते समय से एम्बुलेंस नहीं पहुंच सकी। प्रसव पीड़ा की सूचना पर पीआरवी टीम रेलवे क्रासिंग पर पहुंची। महिला सिपाही और गर्भवती की मां ने मिलकर डिलीवरी कराई। फिर अस्पताल में भर्ती कराया। महिला सिपाही ने बच्ची को दुलार किया।

यूपी-112 के 50 चौपहिया और 21 दुपहिया वाहन संचालित हैं। मंगलवार को 12.25 मिनट पर पीआरवी 1344 अपने निर्धारित प्वाइंट पर थी। इसी दौरान कालर अजय कुमार ने पीआरवी को सूचना दी। बताया कि रोडवेज के पास रेलवे क्रासिंग पर महिला की डिलीवरी हो रही है। सूचना मिलते ही पीआरवी पांच मिनट में मौके पर पहुंच गई। महिला आरक्षी बिन्टु पुष्कर व गर्भवती की मां ने मिलकर प्रसव कराया। महिला ने एक बेटी को जन्म दिया। एम्बुलेंस समय पर नहीं आने के कारण पीआरवी ने ही जच्चा-बच्चा को अस्पताल में भर्ती कराया।

बच्ची को दुलार करती महिला सिपाही।

महिला डाक्टर ने बताया कि मां व बेटी दोनों सुरक्षित हैं । इसके बाद महिला के अन्य परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने पीआरवी टीम में सिपाही मनवीर सिंह, गोईल यादव, बिन्टु पुष्कर व होमगार्ड बबीत मिश्रा को धन्यवाद किया।

डाक्टर ने नहीं, पुलिस ने समझा प्रसव पीड़िता का दर्द

संवाद सूत्र, किरतपुर : आमतौर पर पुलिस का सख्त रवैया ही हमारे जेहन में रहता है लेकिन वह भावनात्मक रूप से भी जनता से जुड़ी रहती है। आधी रात के बाद अस्पताल ने एक प्रसव पीड़िता को रेफर कर दिया। हड़ताल के कारण एंबुलेंस भी नहीं मिली। पुलिस ने परिवार का दर्द समझा और महिला को सरकारी जीप से अस्पताल पहुंचाया।

मंगलवार शाम सराय इम्मा निवासी फरहीन को प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी किरतपुर में भर्ती कराया गया। रात लगभग तीन बजे स्वास्थ्यकर्मियों ने हालत गंभीर बताते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चालकों की हड़ताल के कारण एंबुलेंस नहीं मिली तो स्वजन महिला को लेकर पैदल ही गांव के लिए चल पड़े। महिला दर्द से कराह रही थी। वहां से गुजर रही पुलिस जीप के सिपाही संजीव निगम और रजत कुमार ने ग्रामीणों को रोककर जानकारी ली।

मदद

- एंबुलेंस हड़ताल के बावजूद सीएचसी से रात में किया रेफर
- गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों ने जीप से अस्पताल पहुंचाया

सिपाही संजीव निगम ने फोन कर एंबुलेंस बुलाने का प्रयास किया, लेकिन कोई चालक नहीं आया। इसके बाद सिपाहियों ने सरकारी जीप से प्रसव पीड़िता को किरतपुर में निजी महिला चिकित्सक के पास पहुंचाया।

प्रसव पीड़ा से तड़पती महिला को चिकित्सक के पास लेकर पहुंची पुलिस • सौ. पुलिस

अनदेखी का आलम : अव्यवस्था व अनदेखी का खामियाजा बेकसूर जनता को भुगतना पड़ रहा है। किरतपुर सीएचसी पर महिला चिकित्सक नहीं होने से अक्सर प्रसव पीड़िताओं को परेशानी उठानी पड़ती है। वहां एएनएम ही प्रसव कराती हैं।

> महिला के प्रसव में समय था, इसलिए उसे घर भेजा गया था। जिला अस्पताल रेफर नहीं किया गया। इतनी चूक जरूर हुई कि हमें अंदाजा नहीं था कि आधी रात को उसे घर ले जाने के लिए परिवार के पास कोई साधन नहीं है।
>
> **डा. ईश्वरानंद,** प्रभारी चिकित्साधिकारी, सीएचसी किरतपुर

अच्छी पहल | एक भी मुकदमा नहीं हुआ दर्ज, अधिकांश विवादों में आपसी सहमति से दूर हुई रिश्तों में पड़ी दरारें

पुलिस के प्रयास से महक रहे रिश्ते, 40 घरों में लौटीं खुशियां

सौरव प्रजापति • गजरौला

कहते हैं कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती...। औद्योगिक नगरी में बने जनपद के एकमात्र महिला थाना परिवार परामर्श केंद्र पर कुछ ऐसा ही हो रहा है। यहां पुलिस की मेहनत न रंग ला रही है बल्कि दरकते रिश्तों में नफरत को भगाकर खुशियां लौटाने का काम कर रही है।

प्रदेश सरकार द्वारा नारी सशक्तीकरण व महिलाओं को त्वरित न्याय के उद्देश्य से आठ मार्च यानी महिला दिवस के मौके पर यहां थाने में महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी खुलवाई थी। अब इस चौकी को थाने का दर्जा दे दिया गया है। थाने में छह पुलिस कर्मियों का स्टाफ है।

थाना पुलिस का उद्देश्य है कि वहां पर आने वाली महिलाओं को इंसाफ मिले। मार्च से लेकर जुलाई यानी पांच महीने बीतने को हैं लेकिन, थाने की जीडी में अभी तक एक भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। इस दरम्यान वहां 55 केस दहेज उत्पीड़न, पति-पत्नी में विवाद, सास-बहू में विवाद आदि के पहुंचे। इन विवादों की वजह से कोई पत्नी अपने पति से वर्षों दूर रहती थी तो कोई मां अपने अपने बेटे-बहू से अलग थी। इन 55 मामलों में थाना पुलिस के प्रयास से 40 में सहमति से समझौते हो गए। यानी रिश्तों में पड़ी दरारें खत्म हो गई और फिर से परिवार एक मुट्ठी में बंधकर खुशियों की दुनिया में पहुंच गया। अब तक पहुंचे 55 मामलों में हसनपुर तहसील क्षेत्र के थाना आदमपुर, सैदनगली, हसनपुर व रहरा के साथ नौगावां सादात, मंडी धनौरा, बछरायूं थाना क्षेत्र शामिल हैं।

गजरौला में स्थित महिला थाना व परिवार परामर्श केंद्र • जागरण

ऐसा होता है थाने में कार्य

कोई मामला थाने में पहुंचाता है तो थाना प्रभारी द्वारा पूरे मामले की जानकारी की जाती है। इसके बाद दूसरे पक्ष को भी तलब किया जाता है। प्रयास रहता है कि पहली बार में ही दोनों पक्षों की समस्या खत्म हो जाए। कोई संशय होता है तो फिर दूसरी तारीख लगाई जाती है। अभी तक दूसरी या तीसरी तारीख में ही समझौते हो गए।

> महिलाओं के खिलाफ हो रहे उत्पीड़न को रोकने के उद्देश्य से बनाए गए महिला थाना परिवार परामर्श केंद्र पर लोगों को इंसाफ दिलाया जा रहा है। पांच माह में 40 रिश्तों को जुड़वाया गया है। हर मामले मे समझौता कराकर परिवार की खुशियां लौटाने का कार्य पूरी मेहनत के साथ किया जा रहा है। - श्वेता त्यागी, प्रभारी, महिला थाना परिवार परामर्श केंद्र, गजरौला

केस 1

गांव पपसरा खादर निवासी नसरीन की शादी गांव शाहपुर में रियाजुल के साथ चार साल पहले हुई थी। आरोप था कि ससुरालियों ने दहेज की खातिर नसरीन को मारपीट कर घर से निकाल दिया था। थाने में महिला रिपोर्टिंग चौकी खुली तो नसरीन ने तहरीर देकर गुहार लगाई। इसके बाद पुलिस ने उसके पति समेत ससुरालियों को तलब कर लिया। दो तारीख लगने के बाद ससुरालियों ने अपनी गलती स्वीकार किया। इसके बाद ससुराली उसे अपने साथ ले गए। अब नसरीन खुशी से अपनी ससुराल में ही रह रही है।

केस 2

हसनपुर थाना क्षेत्र के गांव पतेई खादर निवासी एक युवती की शादी गजरौला थाना क्षेत्र के गांव तिगरी निवासी युवक के साथ तय हुई थी। आरोप है कि वधु पक्ष के लोगों ने गोद भराई की रस्म के दौरान मान-सम्मान नहीं किया था। इससे क्षुब्ध होकर वर पक्ष के लोगों ने शादी करने से इन्कार कर दिया था। तीन जुलाई को वधु पक्ष के लोग महिला थाने में पहुंचे और पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस ने वर पक्ष के लोगों को तलब कर लिया है। पुलिस द्वारा दोनों पक्षों को बैठाकर समझाया। आखिर में दोनों पक्षों के लोग शादी कराने के लिए राजी हो गए।

रिपोर्टिंग चौकी से थाने का दर्जा, जीडी भी हुई शुरू

गजरौला : महिला दिवस के मौके पर इसे महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी की हैसियत से खोला गया था लेकिन, अभी हाल ही में चौकी को थाने का दर्जा दे दिया गया है। अब यहां पर कार्यरत कर्मी बिना लिखापढ़ी के कहीं नहीं आ-जा सकेगा। थाने में एक अलग कम्प्यूटर सिस्टम लगाकर जीडी भी शुरू कर दी गई है। यहां पर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक श्वेता त्यागी, दो महिला कांस्टेबल, एक हेड कांस्टेबल, एक कांस्टेबल व एक कम्प्यूटर आपरेटर तैनात हैं।

पेज से संबंधित खबरें https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_jyotibaphule-nagar-news-hindi.html पर भी देखें।

एडीजी ने असमोली थाने की एचोड़ा कंबोह पुलिस चौकी का किया लोकार्पण

नखासा थाने का किया निरीक्षण थानेदारों के साथ बैठक कर पढ़ाया कानून का पाठ

संवाद न्यूज एजेंसी

संभल/असमोली। एडीजी अविनाश चंद्र ने गुरुवार को संभल जिले के असमोली थाने के गांव ऐंचोड़ा कंबोह पुलिस चौकी का लोकार्पण किया। इस पुलिस चौकी को जनसहयोग से बनवाया गया है। लोकार्पण के बाद जनता को संबोधित करते हुए एडीजी ने बेहतर कानून व्यवस्था होने के लिए आश्वास्त किया। साथ ही भविष्य में पुलिस चौकी को थाना बनाए जाने की प्रक्रिया जारी होने की बात कही।

एडीजी ने लोकार्पण के बाद जनता के सहयोग की प्रशंसा की और अच्छी पुलिसिंग के लिए आश्वासन दिया। बताया कि इस पुलिस चौकी के बनने से क्राइम कंट्रोल आसानी से किया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र और थानाध्यक्ष रणवीर सिंह के प्रयास की भी सराहना की। डीआईजी शलभ माथुर ने कहा कि थाने की प्रक्रिया भी चल रही है। इस चौकी में सहयोग करने वाले लोगों का आभार जताया।

एंचोड़ा कंबोह में लोगों को संबोधित करते एडीजी अविनाश चंद्र। संवाद

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव व कई मुख्य लोग मौजूद रहे। लोकार्पण के बाद थाना नखासा पहुंचे एडीजी और डीआईजी ने पहले थाना कार्यालय का निरीक्षण किया और जरूरी दिशा निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। एडीजी ने बैठक में स्पष्ट हिदायत देते हुए कहा अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगे। यदि अपराध हो जाएं तो अपराधियों की गिरफ्तार कर माल बरामद किया जाए। आरोपियों को जेल भेजा जाए। समाज में भयमुक्त वातावरण की स्थापना की जाए, जिससे महिलाएं और बेटियां बैखोफ अपने घर से निकलकर अपने काम कर सकें। पूर्व में हुईं घटनाओं का शीघ्र ही खुलासा किया जाए। इसके बाद एडीजी और डीआईजी रवाना हो गए।

पैदल मार्च कर एडीजी ने व्यापारियों से किया संवाद

गुन्नौर। एडीजी बरेली अविनाश चंद्र ने गुरुवार को कस्बा गुन्नौर में पैदल गश्त की तथा व्यापारियों से संवाद किया। कस्बा चौकी का शिलान्यास किया। गुन्नौर थाने में आरक्षी बैरक और बबराला में चौकी भवन का लोकार्पण किया।

संभल जनपद के दौरे के दौरान एडीजी गुन्नौर थाने में पहुंचे। आरक्षी बैरक के लोकार्पण, कस्बा चौकी के शिलान्यास के बाद एडीजी बरेली अविनाश चंद्र ने कहा कि चौकी स्थापित होने से अपराधिक मामलों में कमी आएगी।

जनता व उसके माल की सुरक्षा और बेहतर हो सकेगी। कस्बे में पुलिस अधिकारियों के साथ पैदल गश्त की। व्यापारियों से संवाद में कहा कि पुलिस आपसी सेवा में हैं, आप भी पुलिस की मदद करें।

गुन्नौर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त करते एडीजी। संवाद

अपने संस्थानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवाए। किसी भी तरह की के अपराध की तुरंत पुलिस को सूचना दें। इस मौके पर डीआईजी मुरादाबाद शलभ माथुर, एसपी संभल चक्रेश मिश्र, एएसपी आलोक जायसवाल, सीओ गुन्नौर राकेश सिंह, एसडीएम रामकेश सिंह धामा, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार आर्य आदि रहे। संवाद

नहीं मिली एंबुलेंस, पीआरवी से गर्भवती को सीएचसी पहुंचाया

पूरनपुर | संवाददाता

कुछ खबरे ऐसी होती हैं जिन्हें देख या सुनकर दिल को सुकून मिलता है। एक उम्मीद जागती है कि इंसानियत अभी जिंदा है। प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेस को फोन किया गया। कई घंटे बीतने के बावजूद एंबुलेंस नहीं पहुंची। तब पीआरवी गाड़ी से महिला को सीएचसी लाया गया। पुलिस की इस भूमिका की खूब चर्चा हो रही है।

पूरनपुर के गांव मुरादपुर के रहने वाले पवनीश की पत्नी पूजा को गुरुवार तड़के प्रसव पीड़ा हुई। गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने की परिजन तैयारी करने लगे। एंबुलेंस को फोन किया गया पर एक घंटा बीतने के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। इसकी बजह एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल बताई गई। प्राइवेट या अन्य वाहन न मिलने पर आसपास के लोग भी परेशान हो गए। परिजनों ने डायल 112 को फोन मिलाया। पीआरवी गाड़ी 2080 पर तैनात सिपाही चंदन सिंह और ड्राइवर प्रमेंद्र सिंह ने तुरंत महिला को गाड़ी पर बैठाया और सीएचसी पहुंचाया। स्टाफ नर्सों ने प्रसव कराने की तैयारी शुरू कर दी। समय से अस्पताल पहुंचाने के लिए दोनों सिपाहियों की लोगों में सराहना होती देखी गई। महिला के परिजनों ने पुलिस के इस एहसान पर धन्यवाद किया।

एंबुलेंस न मिलने पर पीआरबी से गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाया गया।

एडीजी अविनाश चंद्र ने ऐंचोड़ा कम्बोह में पुलिस चौकी के उद्घाटन के बाद जनता से किया संवाद, पुलिस कर्मियों का सम्मेलन

अच्छा व्यवहार कर जनता में बेहतर छवि बनायें

नसीहत

संभल | संवाददाता

अपर पुलिस महानिदेशक अविनाश चंद्र ने जनपद के असमोली थाना इलाके में ऐंचोड़ा कम्बोह पुलिस चौकी का उद्घाटन किया। जबकि गुन्नौर में पुलिस बैरक का उद्घाटन करने के साथ ही पुलिस चौकी की आधारशिला रखी। एडीजी ने नखासा थाने का निरीक्षण करने बाद पुलिस कर्मियों से कहा कि वह अपने अच्छे व्यवहार से जनता में पुलिस की छवि को सुधारने का काम करें। पुलिस कर्मी अपराधियों के साथ सख्ती से पेश आयें मगर आम जनता के साथ उनका व्यवहार मधुर होना चाहिए।

एडीजी अविनाशचंद्र ने गुरुवार सुबह को असमोली थाना इलाके के ऐंचोड़ा कम्बोह में जन सहयोग से निर्मित पुलिस चौकी का उद्घाटन किया। यहां पुलिस ने अपनी 11 बीघा की जमीन को कब्जा मुक्त कराने के बाद महज पांच महीने में जनसहयोग से शानदार पुलिस

संभल के थाना नखासा पर पुलिस कर्मियों का सम्मेलन करते एडीजी अविनाश चंद्र डीआईजी शलभ माथुर और एसपी चक्रेश मिश्रा।

चौकी भवन तैयार कराया है। एडीजी ने अपने संबोधन में कहा कि जनता के सहयोग के बिना पुलिस अपने काम को ठीक से अंजाम नहीं दे सकती। जनता ही पुलिस की आंख और कान है। कहा कि आप जो भी काम करते हैं अपना काम करते हुए ही पुलिस की मदद कर सकते हैं। एडीजी ने पुलिस चौकी निर्माण के लिए जिले के पुलिस अधिकारियों व असमोली थाना प्रभारी रणवीर सिंह को बधाई भी दी। डीआईजी शलभ माथुर ने कहा कि अब पुलिस और जनता के बीच की दुरियां कम हो रही हैं।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डा. अनामिका यादव ने कहा कि पुलिस चौकी बन जाने से इलाके के लोगों को राहत मिलेगी। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने कार्यक्रम में आये लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एएसपी आलोक जायसवाल, सीओ अरुण कुमार सिंह, ब्लाक प्रमुख असमोली संतोष देवी, भाजपा नेता हरेंद्र सिंह रिंकू, नीलेश यादव, नकुल औलख, प्रभाकर सिंह, ग्राम प्रधान पति लवकुश शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

ऐंचोड़ा कम्बोह को थाना बनाने की कवायद

संभल। पुलिस चौकी बन जाने के बाद अब ऐंचोड़ा कम्बोह को जनपद का नया थाना बनाने की कवायद भी शुरु हो गई है। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने बताया कि ऐंचोड़ा कम्बोह को नया थाना बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। इसको डीआईजी व एडीजी स्तर से संस्तुति सहित शासन को भेज दिया गया है। प्रयास किया जा रहा है कि जल्द ही शासन स्तर से इसकी स्वीकृति हो जाये।

जनता से जुडें और भ्रष्टाचार से दूर रहें पुलिस कर्मी

संभल | संवाददाता

एडीजी अविनाशचंद्र ने दोपहर को नखासा थाने का निरीक्षण कर महिला हेल्प डेस्क, बैरक, मैस, कार्यालय व थाना परिसर को देखा। पूछा कि थाने पर आगन्तुक रजिस्टर बना है या नहीं। यह भी जाना कि पिछले तीन दिन में कितनी एनसीआर दर्ज की गई हैं और उनमें क्या कार्रवाई अमल में लाई गई है।

इसके बाद एडीजी अविनाशचंद्र, डीआईजी शलभ माथुर व एसपी चक्रेश मिश्रा ने जनपद भर के थाना प्रभारियों व पुलिस कर्मियों के सम्मेलन में उनकी समस्याओं को सुना। इसके बाद एडीजी ने पुलिस कर्मियों को उनकी जिम्मेदारी समझाते हुए कहा कि पुलिस कर्मी वर्दी का अहंकार न करें बल्कि यह समझें कि यह वर्दी उन्हें आम जनता की सेवा करने के लिए मिली है। पुलिस कर्मी जनता के साथ अच्छा व्यवहार करें। महिलाओं व बुजुर्गों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव नजर आना चाहिए। कोई विवाद होता है तो पक्ष और विपक्ष दोनों को सुनकर निष्पक्षता के आधार पर विवाद या समस्या का निस्तारण होना चाहिए। पुलिस कर्मियों को अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था बनाये रखने को लेकर कुछ टिप्स भी दिये गये। डीआईजी शलभ माथुर व पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने भी सम्मेलन में पुलिस कर्मियों को संबोधित कर मौजूदा हालात में शांति व्यवस्था बनाये रखने और अपराध नियंत्रण को लेकर चर्चा की।

थानों पर पहुंचे एडीजी-आईजी, चौंके अफसर

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

लाकडाउन के बाद शुरू हुये थाना दिवस के मौके पर शनिवार को एडीजी और आईजी जब थानों पर पहुंचे तो इंस्पेक्टर सीओ समेत अधिकारी चौंक गये। थानों पर अफरा तफरी हो गई। हालांकि फरियादियों के चेहरे खिल गये। उन्हें लगा कि बड़े साहब आ गये हैं। अब उनकी समस्या का समाधान हो जायेगा। दोनों अफसरों ने अपने सामने कई मामलों का त्वरित निस्तारण कर थानेदारों को 24 घंटे में रिपोर्ट देने के निर्देश दिये।

कोरोना लाकडाउन की वजह से थाना दिवस हवा में चल रहे थे। उनमें सुनवाई का स्तर काफी खराब था। यही वजह रही कि थाना दिवस पर फरियादियों की संख्या काफी कम हो गई। थाना दिवस को दोबारा एक्टिवेट कर प्रभावी बनाने के लिये एडीजी अविनाश चंद्र भोजीपुरा और इज्जतनगर थाने पहुंचे। वहां उन्होंने खुद समस्याओं को सुना। पारिवारिक मामलों में दोनों पक्षों की काउंसलिंग की।

इज्जतनगर थाने पहुंचे एडीजी और आईजी ने फरियादियों से समस्याएं सुनीं।

एडीजी को अधूरा मिला हत्या बलवा रोकथाम रजिस्टर

बरेली। एडीजी अविनाश चंद्र ने इज्जतनगर भोजीपुरा थाने में थाना दिवस के दौरान निरीक्षण किया। उन्हें हत्या बलवा रोकथाम रजिस्टर अधूरा मिला। जिस पर नाराजगी व्यक्त की। डीजीपी के सख्त निर्देश है कि सभी थानों में हत्या बलवा रोकथाम त्यौहार अन्य रजिस्टर पूरे किए जाए। उसी क्रम में एडीजी ने थानों का जायजा लिया था।

जमीनी विवाद में टीम बनाकर मामले का निस्तारण करने के निर्देश दिये। आईजी रेंज रमित शर्मा ने सुभाषनगर और कैंट थाने का निरीक्षण किया। आईजी ने कहा कि सूदखोरी के मामले प्राथमिकता के आधार पर निपटायें। छोटे मामलों का मौके पर जाकर निस्तारण करें। इससे बड़ी घटनाओं को रोकने में सफलता मिलेगी। थाने पर आई शिकायतों को लेकर आईजी ने सीओ और इंस्पेक्टर को निर्देश दिये कि तीन दिन के अंदर इनका समाधान हो जाना चाहिये। डीएम और एसएसपी ने भुता थाने में लोगों की समस्याएं सुनीं।

एडीजी ने सुनी शिकायतें, दूर हुई या नहीं... खुद लेंगे फीडबैक

जागरण संवाददाता, बरेली: फरियादियों की शिकायतों का 24 घंटे में निस्तारण हो। थाना दिवस पर पहुंचा फरियादी दोबारा थाने के चक्कर लगाने को मजबूर न हो। इस पर मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों की जवाबदेही तय की। शनिवार को आयोजित थाना दिवस में एडीजी अविनाश चंद्र हकीकत से रूबरू होने थाना दिवस में पहुंचे। इज्जतनगर व भोजीपुरा में उन्होंने फरियाद सुनकर थाना प्रभारियों को टीम गठित कर समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। अब एडीजी फीडबैक लेने के लिए खुद फरियादियों से सीधे बात करेंगे। थाना दिवस पर एडीजी ने इज्जतनगर में 10 व भोजीपुरा में नौ शिकायतें सुनी। सभी शिकायतों में ज्यादातर भूमि संबंधी विवाद थे। फरियादियों ने कहा कि थाने में कई बार शिकायत की लेकिन, समाधान न निकला। इस पर एडीजी ने शिकायत के निस्तारण का आदेश किया। वहीं डीजीपी मुकुल गोयल ने निरीक्षण में पाया कि थानों में बने हत्या व बलवा के रजिस्टर पर थाना प्रभारियों का कोई ध्यान नहीं है। रजिस्टर आधे-अधूरे पड़े हैं। एडीजी को निरीक्षण में भी कमोबेश वही तस्वीर मिली।

> फरियादियों की शिकायत का निस्तारण हुआ या नहीं, इसका खुद फीडबैक लिया जाएगा। निरीक्षण में हत्या व बलवा रोकथाम रजिस्टर अधूरा मिला। थाना प्रभारियों से रजिस्टर अपडेट रखने के निर्देश दिए हैं।
> – **अविनाश चंद्र**, एडीजी, बरेली जोन

फरियादियों की शिकायत सुनते एडीजी अविनाश चंद्र ● सौ.पुलिस

डीएम व एसएसपी ने जिला जेल का किया निरीक्षण

जासं, बरेली : जिलाधिकारी नितीश कुमार व एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने शनिवार को जिला जेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में डीएम ने जिला जेल अधीक्षक को कोरोना महामारी से बचाव के इंतजाम बेहतर रखने के निर्देश दिये। कहा कि किसी भी दशा में लापरवाही न बरती जाए। कोरोना गाइडलाइन का सख्ती से पालन कराया जाए।

निर्देश एडीजी ने चेकिंग तेज करने को कहा

तीसरी लहर नजदीक मास्क की चेकिंग में बढ़ाई जाएगी सख्ती

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। कोरोना की तीसरी लहर का खतरा अब नजदीक बताया जा रहा है। हालांकि इसके बावजूद लोग इसकी परवाह नहीं कर रहे हैं। लोगों के बीच लापरवाही का माहौल देखते हुए एडीजी अविनाश चंद्र ने यातायात सप्ताह के दौरान मास्क की चेकिंग करने का भी निर्देश दिया है।

कोरोना की दूसरी लहर में लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। धनहानि के साथ ही जनहानि भी हुई लेकिन लोग अब उस दौर को भूलकर इसके खतरे से बेपरवाह हो चुके हैं। बाजार में भीड़ बढ़ गई है और लोग न तो सामाजिक दूरी का पालन कर रहे हैं और न ही मास्क लगा रहे हैं। इससे फिर खतरे की आशंका पैदा हो गई है। इसको लेकर एडीजी अविनाश चंद्र ने लोगों को आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि लोग मास्क और सामाजिक दूरी का पालन अवश्य करें।

एडीजी जोन अविनाश चंद्र।

इसका पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस अब दोबारा सख्ती शुरू करेगी। यातायात सप्ताह के दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के साथ ही अब बिना मास्क घूमने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

हर शिकायत की गंभीरता से जांच करें थानेदार

बरेली। शनिवार को एडीजी अविनाश चंद्र और आईजी रमित शर्मा थाना दिवस में जनसुनवाई को पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की शिकायतें सुनकर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए।

एडीजी अविनाश चंद्र शनिवार सुबह थाना इज्जतनगर और फिर भोजीपुरा पहुंचे। उन्होंने जनता की समस्याएं सुनकर निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही थाना प्रभारियों को हिदायत दी कि थाने में आने वाली हर शिकायत की गंभीरता से जांच करकार्रवाई करें।

एक सप्ताह बाद वह स्वयं फरियादियों से शिकायतों के निस्तारण पर फीडबैक लेंगे। इस दौरान उन्होंने दोनों थानों में हत्या और बलवा रजिस्टर भी चेक किए और अपडेट न मिलने पर नाराजगी जताई। आईजी रमित शर्मा ने थाना कैंट और सुभाषनगर में शिकायतें सुनीं। ब्यूरो